

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमहर्षि राल्मीकि रिरचितम्
॥ श्री गङ्गाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री गङ्गाष्टकम् ॥

मातः शैलसूतासपत्नि रसुधाशृङ्गारहारारलि
स्वर्गारोहणरैजयन्ति भरतीं भागीरथि प्रार्थये।
रत्नीरे रसतस्तुदम्बु पिवतस्तुद्वीचिषु प्रेङ्खतः
रत्नाम स्मरतस्तुदर्पितदृशः स्यान्मे शरीरव्ययः ॥ 1 ॥

रत्नीरे तरुकोटरात्ररगतो गङ्गे रिहङ्गो ररं
रत्नीरे नरकात्रकारिणि ररं मत्स्योत्तरा कच्छपः।
नैरान्यत्र मदान्कसिन्धुरघटासङ्घट्टघण्टारण -
रकारस्तत्रसमस्तैरिनितालङ्कस्तुतिर्भूपतिः ॥ 2 ॥

उम्फा पम्फी तुरग उरगः कोहपि रा रारणो रा
रारीणः स्यां जननमरणक्लेशदुःखासहिष्णुः।
न रान्यत्र प्ररिरलरणरकङ्कणक्लाणमिश्रं
रारस्त्रीभिश्चमरमरुता रीजितो भूमिपालः ॥ 3 ॥

काकैर्निष्कृषितं श्रुतिः करलितं गोमायुर्भिलुठितं
श्रोतोभिश्चलितं तटाशूलुलितं रीचीभिरान्दोलितम्।
दिर्यस्त्रीकरचारुचामरमरुत्संरीज्यमानः कदा
द्रक्ष्येत्सहं परमेश्वरि त्रिपथगे भागीरथि स्वं रूपुः ॥ 4 ॥

अभिनरविसरन्नी पादपद्मस्य रिषेणः
मदनमथनमौलेर्मालतीपुष्पमाला।
जयति जयपताका काप्यसौ मोक्षलक्ष्म्याः
क्षपितकलिकलङ्गा जाह्नवी नः पुनातु ॥ 5 ॥

এতত্তালতমালসালসরলর্যালোলরল্লীলতা -

ছন্নং সূর্যকরপ্রতাপরহিতং শঙ্খেন্দুকুন্দোজ্জ্বলম্।
গন্ধর্ভামরসিদ্ধকিন্নরধৃতুঙ্গস্তনাস্থফালিতং
স্নানায় প্রতিরাসরং ভরতু মে গাঙ্গং জলং নির্মলম্ ॥ 6 ॥

গাঙ্গং রারি মনোহারি মুরারিচরণচ্যুতম্।
ত্রিপুরারিশিরশ্চারি পাপহারি পুনাতু মাম্ ॥ 7 ॥

পাপাপহারি দুরিতারি তরঙ্গধারি
শৈলপ্রচারি গিরিরাজগুহারিদারি।
ঝঙ্কারকারি হরিপাদরজোহপহারি
গাঙ্গং পুনাতু সততং শুভকারি রারি ॥ 8 ॥

গঙ্গাষ্টকং পঠতি যঃ প্রযতঃ প্রভাতে
রান্মীকিনা রিরচিতং শুভদং মনুষ্যঃ।
প্রক্ষাল্য গাত্রকলিকল্মষপঙ্কমাশু
মোক্ষং লভেৎপততি নৈর নরো ভরাক্ষৌ ॥ 9 ॥

॥ শ্রী গঙ্গাষ্টকং সমাপ্তম্ ॥